हैरिटेज सम्पदाओं का सरक्षंण कर पर्यटन को देगें बढावा

राजस्थान सरकार की ओर से प्रदेश के हैरिटेज को बढावा देने के उद्देश्य से जोधपुर का पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयन किया गया है और अब शहर के हैरिटेज का व्यवस्थित तरीके से पूर्ण जीणोद्वार करवाया जाएगा। महापौर घनश्याम ओझा ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश के हैरिटज सम्पदाओं का सरक्षंण कर पर्यटन को बढावा देना चाहती है और इसके लिए स्टेट हैरिटेज सेल का गठन किया गया है। ओझा ने बताया कि नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ अरबन अफैयर, वर्ल्ड बैंक और सिटीज् अलाइंस की तकनीकी टीम इसमें अपना तकनीकी सहयोग करेगी। ओझा ने बताया कि सिटीज अलाइंस की टीए टीम नें जोधपुर शहर की ओल्ड सिटी का दौरा किया और यहां की बेशकीमती सम्पदाओ ंको बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होने बताया कि इस योजना के तहत निगम के सुपरवीजन में सिटी हैरिटेज सेल का गठन किया जाएगा जिसके बाद शहर का हैरिटेज मैनेजमेंट प्लान तैयार किया जाएगा जिसमें हैरिटेज थीम को सेटंर मे रखा जाएगा। महापौर ने बताया कि इस प्लान मे सबसे महत्वपूर्ण आमजन मे हैरिटेज सरक्षंण के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस योजना के लागू होने से शहर की इकोनोमी को बढावा मिलेगा साथ ही युवाओ को रोजगार भी मिलेगा और टूरिज्म को भी बढावा मिलेगा। सिटीज अलाइंस की टीए टीम ने बुधवार को निगम अधिकारियों को इस पूरे प्रोजेक्ट का विडियों प्रजेन्टेशन दिया। इस दौरान आयुक्त मोहनसिंह राजपुरोहित, देवाराम सुथार, एसटीपी अनिल माथुर, डीटीपी राहुल गुप्ता, एटीपी गौतम माथुर सहित निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।